ROJGAR WITH ANKIT

Part-2

भारत की जलवायु

शीतकालीन मानसून = शीतकाल में 22 Dec सूर्य मकर रेखा पर लम्बवत् चमकता है, जिस कारण

- उ. गो. में शीतकाल तथा द० गो० में ग्रीष्मकाल होता है। उत्तरी गोलार्द्ध में शीतकाल के कारण उच्चदाब स्थापित हो जाते हैं, जबकि द० गो० मे ग्रीष्मकाल के कारण आस्ट्रेलिया के उत्तर में (भूमध्य रेखा के दक्षिण) में निम्न दाब बन जाते हैं।

Winter monsoon = In winter, 22 Dec. the sun shines Vertically on the tropic of capricorn due to which it is winter in N.H., It is summer in S.H. High pressure is established due to winter in the Northern hemishphere, whereas in the southern Hemisphere, low Pressure is foamed in the north of Australiya (south of the equator) Due to the summer).

- जिस कारण स्थलीय भाग से सागरों की ओर हवाएँ चलने लगती हैं। इसे उ०पू० मानसून (भारत) कहते हैं, तथा स्थल की ओर से आने के कारण ये हवाएँ शुष्क होने लगती हैं। जिससे ये वर्षा प्रदान करने मे असमर्थ होती हैं।

Due to which winds start blowing from the terrestrial Part towards the oceans, It is called N.E. monsoon (India) and due to coming from the land, these winds are unable to provide rain due to being dry.

- इस मानसून की कुछ पवनें बंगाल की खाड़ी से आर्द्रता को लेते हुए तमिलनाडु में प्रवेश करती हैं। और अक्टूबर से दिसंबर के बीच तमिलनाडु तट पर वर्षा करती हैं।

ROJGAR WITH ANKIT
RWA

some winds of this monsoon enter Tamilnadu carrying humidity from the Bay of Bengal. And between october and December, it rains on the Tamilnadu coast (Tamthada coast.)

- शीतकाल में भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में वर्षा का मुख्य कारण भू-मध्य सागर से उत्पन्न होने वाला हल्का चक्रवात पश्चिमी विक्षोभ है।

The main season of rainfall in the north west part of India in the winter season is the western disturbance, a mild cyclone originating from the Mediterranean sea.

- खासी पहाड़ी के कीपाकार आकृति में होने के कारण द० प० मानसून की नम हवाएँ अपनी नमी को मॉसिनराम में गिरा देती है। यही कारण है, कि मासिनराम भारत में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान है।

Due to the funnel shape of the Khasi hills, the moist air of the south-west monsoon drops its moisture in mawsynram, this is the reason why mawsynram is the place with the highest rainfall in India.

- भारत में औसत वार्षिक वर्षा = 112 – 125 cm
  Average annual rainfall in India =
- भारत में सबसे कम वर्षा = लेह (लद्दाख)
  Lowest rainfall in India = Leh (Laddakh)

ROJGAR WITH ANKIT
RWA

मानसून विस्फोट
Monsoon Blast

- आर्द्रता से लदी पवनें जब अत्यधिक भारी हो जाती हैं। तो अपनी अवशेष नमी को अत्यधिक गर्जन के साथ छोड़ देती है, जो मूसलाधार वर्षा के साथ धरातल पर पहुँचती है।

The moisture laden winds, when they become very heavy release there surplus moisture with a loud roar. which reaches the ground in the form of torrential rain.

इनसे वर्षा इतनी अधिक होती है, कि कुछ घंटो में एक विस्तृत क्षेत्र को बाढ़ग्रस्त कर देती है। दक्षिण पश्चिमी मानसून द्वारा अचानक ही वर्षा शुरू हो जाती है। इस प्राकृतिक घटना को ही मानसून विस्फोट कहते है।

These rains are so heavy that they flood a wide area in a few hours. sudden onset of heavy rains by the south-west monsoon this natural phenomenon is called monsoon blast./

ROJGAR WITH ANKIT
RWA

मानसून विच्छेद
Monsoon break

जब मानसूनी पवने दो सप्ताह या इससे अधिक समय तक वर्षा कराने में असफल रहती हैं, तो वर्षा काल मे शुष्क दौर आ जाता है, इसे ही मानसून विच्छेद कहते हैं।

when the monsoon winds fail to bring rain for two weeks more there is a dry period in the rainy season, it is called season break.

एलनिनो (EI Nino)

- एलनिनो एक स्पैनिश शब्द है, जिसका अर्थ- लिटिल ब्वॉय / चाइल्ड क्राइस्ट को व्यक्त करता है, क्योंकि यह क्रिसमस के समय बढ़ता है।

EI Nino is a spanish word meaning little boy or child crist, as the current begins to rise at Cristmas time.

- ठंडी पेरू जलधारा के स्थान पर अस्थायी रूप से गर्म जलधारा के विकास को एलनीनो कहा गया है।

The development of a temporarily warm current in place of the old peruvian current is called EI nino.

ROJGAR WITH ANKIT

- इसकी उपस्थिति समुद्र की सतह के तापमान बढ़ा देती है, तथा उस क्षेत्र में व्यापारिक पवनों को शिथिल कर देती है। और वहाँ वर्षा होने लगती है।

Presence increases the sea surface temprature and relaxes the trade winds in that region

IMPORTANT Point

- ग्रीष्म ऋतु में मानसून पूर्व की वर्षा प्राप्त होती है, जो भारत के औसत वार्षिक वर्षा का लगभग 10% होती है। विभिन्न भागों में इस वर्षा के अलग-अलग स्थलीय नाम हैं।

Pre-monsoon rainfall is received in the summer season, which is about 10% of the average annual rainfall of India. this rainfall has different local names in different parts etc.

(1) **आम्र वर्षा** ग्रीष्म ऋतु के खत्म होते-होते पूर्व मानसून बौछार पड़ती है, जो केरल में यह आम बात है, स्थलीय तौर पर इस तूफानी वर्षा को आम्र वर्षा कहा जाता है, क्योंकि यह आमों को पकने में जल्दी देती है, कर्नाटक में इसे काफी वर्षा या चेरी ब्लासम कहा जाता है।

Mango shower - monsoon showers before the end of the summer season, which is common phenomenon in Keral. locally is stromy rain is called mango rain as it help in early evening of mangoes. in Karnataka it is called coffee shower and cherry blossom.

ROJGAR WITH ANKIT
RWA

(ii) **फूलो वाली बौछार** = इस वर्षा से केरल व निकटवर्ती कहवा उत्पादक क्षेत्रों में कहवा के फूल खिलने लगते हैं।

shower of flowers = Due to rain coffee flowers start blooming in Kerala and nearby coffee producing areas.

(iii) **काल वैशाखी** = असम और प० बंगाल में वैशाख के महीने में शाम को चलने वाली ये भयंकर व विनाशकारी व वर्षायुक्त पवनें हैं। इनकी कुख्यात प्रकृति का अंदाजा इसके स्थानीय नाम वैशाखी लगाया जा सकता है, जिसका अर्थ है - बैशाख के महीने मे आने वाली तबाही चाय, पटसन व चावल के लिए ये हवाएँ अच्छी हैं। असम मे इन दिनों को बारदोली चीड या चाय वर्षा कहा जाता है।

Kaal Baisakhi = In the month of Baisakh in Assam and west Bangal these fierce and distructive rain - laden wind blow in the evening. there infamous nature can be gauged from there local name Basakhi. which means - The devastation coming coming in the month of Basakh these winds are good for tea, jute and rice in Assam, these storm are called 'Bardoli chheeda' or tea shower.